

दिनांक 23 मई, 1984

क्रमांक 198-ज-1-84/14360.—हरियाणा सरकार राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक 198-ज (1)-84/6678, दिनांक 9 मार्च, 1984 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 27 मार्च, 1984 को प्रकाशित हुई है, की पहली कंतार में दिनांक 6 मार्च, 1984 की बजाए 9 मार्च, 1984 व गांव नमडौली की बजाए नसडौली पढ़ा जाये।

दिनांक 24 मई, 1984

क्रमांक 635-ज(II)-84/14590.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती नन्दो देवी विधवा श्री रिसाल सिंह गांव छारा, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक को खरीफ 66 से रबी 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300/-रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 641-ज(II)-84/14594—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री लाधूराम पुत्र श्री भूरुराम गांव ढाणी फोगाट, तहसील चरखी दादरी, जिला भिवानी को रबी 1973 से खरीफ 1979 तक 150/-रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 637-ज(II)-84/14598—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में

अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री फूला पुत्र श्री बीर बक्स, गांव थानाना, तहसील बवानी खेड़ा, जिला भिवानी को रबी 1968 से रबी 1970 तक 100/-रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150/-रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 25 मई, 1984

क्रमांक 198-ज(I)-84/14663.—श्रीमती ब्रह्मोदेवी विधवा श्री महा सिंह, गांव भदाना, तहसील व जिला सोनीपत की दिनांक 20 अप्रैल, 1981 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुई श्री जयनारायण सिंह की मृत्यु 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2159-ज-II-76/35437, दिनांक 22 नवम्बर, 1976 द्वारा मन्त्रीर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती कवल कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के मन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 29 मई, 1984

क्रमांक 633-ज-(II)-84/14967.—श्री जयनारायण सिंह, पुत्र श्री सलहदी सिंह, गांव कोसली, तहसील कोसली, जिला रोहतक की दिनांक 26 मई, 1982 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुई श्री जयनारायण सिंह की मृत्यु 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2159-ज-II-76/35437, दिनांक 22 नवम्बर, 1976 द्वारा मन्त्रीर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती कवल कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के मन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी. आर. तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।